भारत सरकार
संचार मंत्रालय
डाक विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2892
उत्तर देने की तारीख 13 अगस्त, 2026

उन्नत डाक प्रौद्योगिकी का शुभारंभ

2892. श्रीमती सीमा द्विवेदी:
श्री सदानंद महालू शेट तानवड़े :
श्री तेजवीर सिंह :
डॉ. मेधा विश्राम कुलकर्णी :
श्री मदन राठौड़ :

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) डाकघरों और डाक सर्किलों में आई.टी आधुनिकीकरण परियोजना 2.0 के अंतर्गत उन्नत डाक प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म के राष्ट्रव्यापी कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) घर-घर बैंकिंग और ग्रामीण सेवा प्रदायगी को मजबूत करने के लिए डाकियों और ग्रामीण डाक सेवकों को प्रदान किए गए डिजिटल रूरल एंटरप्राइज़ एप्लीकेशन फ़ॉर मोबाइल (ड्रीम) ऐप सहित डिजिटल उपकरणों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या ई-कॉमर्स और अंतिम-मील प्रदायगी के साथ इंडिया पोस्ट की संभारतंत्र संबंधी और वित्तीय सेवाओं को एकीकृत करने के लिए कोई संस्थागत ढांचा मौजूद है;

(घ) यदि हां, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) देश भर में डाकघरों के आधुनिकीकरण और इंडिया पोस्ट रूपांतरण योजना के अंतर्गत नागरिक-उन्मुख डिजिटल सेवाओं को बढ़ाने के लिए रूपरेखा क्या है?

उत्तर

संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री
(डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर)

(क) डाक विभाग द्वारा आईटी आधुनिकीकरण परियोजना 2.0 के तहत 23 डाक सर्कलों में लगभग 1.70 लाख डाकघरों, मेल कार्यालयों और प्रशासनिक इकाइयों में बुकिंग, प्रोसेसिंग और डिलीवरी के लिए एक इन-हाउस क्लाउड आधारित एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म, उन्नत डाक प्रौद्योगिकी (एपीटी) को सफलतापूर्वक शुरू किया गया है।

(ख) 1.4 लाख से अधिक शाखा डाकघरों में वित्तीय लेन-देन कार्यों के लिए **डाक मित्र**, डाक मोबाइल इंटरफेस और रूरल असिस्टेंस ऐप (पूर्व में ड्रीम ऐप) से लैस मोबाइल तथा अंतिम मील तक, मुख्यत: ग्रामीण क्षेत्रों में डाक, बैंकिंग, बीमा व नागरिक केंद्रित सेवाओं की डिलीवरी के लिए बायोमीट्रिक उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं।

इसके अलावा, डाकियों/जीडीएस कार्मिकों के लिए स्पीड पोस्ट, मनी ऑर्डर और कैश-ऑन-डिलीवरी (सीओडी) पार्सल आदि की डिलीवरी हेतु एक मोबाइल आधारित डोर स्टेप सर्विस (डीएसएस) ऐप प्रचालनरत किया गया है। यह ऐप रियल-टाइम ट्रैकिंग को सक्षम बनाता है और अधिकृत प्राप्तकर्ताओं को ओटीपी आधारित सुरक्षित डिलीवरी की सुविधा प्रदान करता है, जिससे समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण सेवा सुनिश्चित होती है।

(ग) एवं (घ) डाक विभाग ने अपनी लॉजिस्टिक सेवाओं और वित्तीय सेवाओं को ई-कॉमर्स एवं अंतिम मील डिलीवरी के साथ एकीकृत करने के लिए एक ढांचा स्थापित करने हेतु निम्नलिखित कदम उठाए हैं:

(i) अपने व्यापक राष्ट्रव्यापी नेटवर्क के माध्यम से ई-कॉमर्स खेपों के संग्रहण, पारेषण और डिलीवरी हेतु अमेज़न, फ्लिपकार्ट, शिपरॉकेट और अन्य लॉजिस्टिक्स एग्रीगेटर्स सहित प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों के साथ रणनीतिक साझेदारी की गई है।

(ii) विभाग द्वारा एप्लीकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) का एक समूह विकसित किया गया है और इसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म एवं थोक ग्राहकों के साथ एकीकृत किया गया है, जिससे स्वचालित बुकिंग, शिपमेंट ट्रैकिंग, प्रभार संगणन और प्रचालन डाटा का रियल टाइम आदान-प्रदान सक्षम हुआ है।

(iii) डाक चैनल के माध्यम से वाणिज्यिक निर्यात शिपमेंट की बुकिंग को सुगम बनाने के लिए डाकघर निर्यात केंद्र (डीएनके) पोर्टल विकसित किया गया है। निर्यातकों की वेबसाइटों, ई-मार्केटप्लेस और एग्रीगेटर्स के साथ डीएनके पोर्टल के एपीआई एकीकरण के माध्यम से निर्यातक, शिपमेंट सृजन को स्वचालित कर सकते हैं, शिपमेंट डाटा को इलेक्ट्रॉनिक रूप से भेज सकते हैं, डाक शिपिंग लेबल जेनरेट कर सकते हैं तथा एंड-टू-एंड निर्यात बुकिंग प्रोसेस को सुव्यवस्थित कर सकते हैं, जिससे मैन्युअल हस्तक्षेप कम होता है एवं प्रचालन दक्षता में सुधार होता है।

(iv) कोर बैंकिंग सॉल्यूशन (सीबीएस) प्लेटफॉर्म पर प्रचालनरत डाकघर बचत बैंक (पीओएसबी) भारत भर में अंतरप्रचालनीय एटीएम सुविधाएं, प्रत्यक्ष लाभांतरण (डीबीटी) भुगतान, इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, एनईएफटी/आरटीजीएस निधि अंतरण, ई-पासबुक, आधार आधारित बायोमीट्रिक ई-केवाईसी सहित आधुनिक डिजिटल बैंकिंग सेवाएं प्रदान करता है।

(v) डाक विभाग ने इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) स्थापित किया है, जिसने 1.64 लाख से अधिक डाकघरों को अंतिम मील तक आईपीपीबी बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए सक्षम किया है। डाक नेटवर्क का लाभ उठाते हुए आईपीपीबी बैंकिंग सेवाओं के माध्यम से 5.94 लाख से अधिक गावों को कवर किया गया है।

(ङ) (i) संपदा प्रबंधन योजना (ईएमएस) के अंतर्गत डाकघरों के आधुनिकीकरण का कार्य डाक भवनों के निर्माण और नवीनीकरण, विरासत परिसंपत्तियों के संरक्षण एवं सुलभता संबंधी सुविधाओं, महिलाओं से संबंधित सुविधाओं, सौर ऊर्जा और वर्षा जल संचयन पहल के माध्यम से समावेशिता और स्थिरता को बढ़ावा देकर किया जा रहा है।

(ii) आईटी आधुनिकीकरण परियोजना 2.0 के तहत, डाक और वित्तीय सेवाओं की सुगम और निर्बाध डिलीवरी प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों और नेटवर्क समाधानों को अपनाकर एपीटी प्लेटफॉर्म को नियमित रूप से उन्नत किया जा रहा है।

(iii) नागरिक-केंद्रित सेवा पहलों के तहत, नागरिकों के लिए डिजिटल सार्वजनिक सेवाओं की पहुंच और डिलीवरी को बढ़ाने के लिए देश भर में 13,352 डाकघर आधार नामांकन एवं अद्यतन केंद्र तथा 456 डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र (पीओपीएसके) शुरू किए गए हैं।

*****